No. of Printed Pages : 8

EHI-04

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2016

06255

ELECTIVE COURSE : HISTORY

EHI-04 : INDIA FROM 16th CENTURY TO MID 18th CENTURY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage 70%)

Note : *This question paper has **three** sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from **Section I**, any **four** questions in about **250** words each from **Section II** and any **two** short notes in about **100** words each from **Section III**. The marks are mentioned against each question.*

SECTION I

1. Discuss the rise of Uzbeg and Safavid powers in Central Asia. Provide a brief on the tripartite relations between the Uzbegs, Persians and the Timurids. *20*

2. Critically examine the Mughal-Rajput relations under Akbar. *20*

3. Discuss briefly the presence of various categories of land rights in medieval Deccan. *20*

4. Analyse the chief features of Mughal architecture. *20*

SECTION II

5. How was the Portuguese Indian trade financed ? *12*

6. Discuss briefly the power politics during Bairam Khan's regency. *12*

7. Discuss the factors that led to the rise of Maratha power in the seventeenth century. *12*

8. Mention the main land routes operating in India during the seventeenth century. What were the major means of transport used on these routes ? *12*

9. Discuss the working of the system of *Jagir* under the Mughals. *12*

10. State briefly the nature of the relationship of the European companies with their parent countries. *12*

11. How was the craft production organised in Mughal India ? *12*

12. Discuss the commercial practices in trade and commerce during the seventeenth century, with special reference to bills of exchange *(hundis)*. *12*

SECTION III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *6+6=12*

(a) Roshaniya Movement

(b) Ahmednagar

(c) Mughal Paintings

(d) Turco-Mongol Concept of Sovereignty

ई.एच.आई.-04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2016

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-04 : भारत 16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का 70%)

---

*नोट : इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं । विद्यार्थियों को **खण्ड I** में से कोई **दो** प्रश्न लगभग **500** शब्दों (प्रत्येक) में, **खण्ड II** में से कोई **चार** प्रश्न लगभग **250** शब्दों (प्रत्येक) में तथा **खण्ड III** में से कोई **दो** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं । प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।*

खण्ड I

1. मध्य एशिया में उज़बेग तथा सफवी शक्तियों के उदय की चर्चा कीजिए । उज़बेग, ईरानी (फ़ारसी) तथा तैमूरी शक्तियों के मध्य त्रिपक्षीय संबंधों का संक्षिप्त विवरण दीजिए । 20

2. अकबर के काल में मुगल-राजपूत संबंधों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *20*

3. मध्यकालीन दक्खन में विभिन्न भू-अधिकारों की विद्यमानता की संक्षेप में चर्चा कीजिए । *20*

4. मुग़ल वास्तुकला की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए । *20*

खण्ड II

5. भारत में पुर्तगाली व्यापार का वित्त प्रबंधन किस प्रकार किया जाता था ? *12*

6. बैरम खाँ के संरक्षणत्व काल (कार्यकाल) में शक्ति-संघर्ष की राजनीति की संक्षेप में चर्चा कीजिए । *12*

7. 17वीं शताब्दी में मराठा शक्ति के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए । *12*

8. 17वीं शताब्दी में भारत में प्रचलित प्रमुख स्थल मार्गों का उल्लेख कीजिए । इन मार्गों पर यातायात के किन प्रमुख साधनों का प्रयोग किया जाता था ? *12*

9. मुग़लों के अधीन *जागीर* व्यवस्था की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए । *12*

10. यूरोपीय कंपनियों के अपने देशों के साथ संबंधों की प्रकृति का संक्षेप में उल्लेख कीजिए । *12*

11. मुग़ल भारत में शिल्प उत्पादन किस प्रकार संगठित किया जाता था ? *12*

12. विनिमय पत्र *(हुंडी)* के विशेष संदर्भ में 17वीं शताब्दी में व्यापार तथा वाणिज्य में प्रचलित प्रमुख व्यावसायिक पद्धतियों की चर्चा कीजिए । *12*

खण्ड III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *6+6=12*

(क) रोशनिया आन्दोलन

(ख) अहमदनगर

(ग) मुग़ल चित्रकला

(घ) तुर्क-मंगोल प्रभुसत्ता की अवधारणा